उत्तर

S1. (a): विकल्प 1 में 'किस' शब्द के स्थान पर **'किसी'** शब्द का प्रयोग होगा। शुद्ध वाक्या होगा-'देश में जब भी किसी आपदा से लोगों की मौत होती है सरकार थोड़े से मुआवजे की घोषणा करके अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो जाती है।

S2. (*): विकल्प 2 में 'घंटों' के स्थान पर **'घंटे'** एवं विकल्प 4 में 'देने' के स्थान पर 'लेने' शब्द का प्रयोग होगा। शुद्ध वाक्य होगा- 'कफ्र्यू लगने के तीन दिन बाद जब चार घंटे के लिए कफ्र्यू में ढील दी गयी तभी लोग दूध और सब्जी लेने के लिए बाहर निकले।'

S3.(d) वाक्य में 'नाटकबाजी' के स्थान पर **'नाटक'** या 'तमाशा' शब्द आयेगा। शुद्ध वाक्य होगा- 'एक ईमानदार नेता के अनशन से वे लोग भी प्रभावित हो गए हैं जो भूख-हड़ताल आदि को नाटक समझते थे।

S4. (b) विकल्प 2 में हमारा देशों के स्थान पर **'हमारे देश'** शब्द का प्रयोग होगा। शुद्ध वाक्य होगा- 'एक अध्ययन से पता चला है कि हमारे देश के सैनिकों को भी संतुलित और पोषक भोजन नहीं मिलता

S5. (b) वाक्य में 'समाजों' के स्थान पर **'समाज'** शब्द का प्रयोग होगा। शुद्ध वाक्य है- 'यह बहस एक बार फिर शुरू हो गई है कि सभ्य समाज में फांसी को सजाए मौत होनी चाहिए या नहीं।'

S6. (c) यहाँ 'पूरे' के स्थान पर **'सम्पूर्ण'** शब्द का प्रयोग होगा। शुद्ध वाक्य होगा'हमारे देश में मूल्यों का इतना पतन हो चुका है कि सम्पूर्ण राजनैतिक नेतृत्व ने अब विश्वसनीयता खो दी है।'

S7. (b) विकल्प 2 में 'माता-पिता ने' के स्थान पर **'माता-पिता की'** शब्द का प्रयोग होगा। शुद्ध वाक्य होगा- स्कूलों में संसाधनों की कमी, शिक्षा के प्रति माता-पिता की उदासीनता, पाठ्यक्रम के स्तर आदि के बारे में सोच-सोच कर बड़ी निराशा होती है।'

S8.(c) यहाँ पदबंध 'बच्चों में मन के' के स्थान पर **'बच्चों के मन में' पदबंध'** शब्द आएगा। शुद्ध वाक्य होगा- 'भूकंप के जबरदस्त झटके लगने से जान माल का नुकसान तो हुआ ही बच्चों के मन में हमेशा के लिए डर भी बैठ गया।'

S9.(d) सही पदबंध **'न ही घूस लेनी है न ही देनी है'** होगा। शुद्ध वाक्य होगा- हमारे समाज से भ्रष्टाचार का सफाया तभी हो सकता है जब प्रत्येक व्यक्ति यह ठान ले कि किसी भी सूरत में न ही घूस लेनी है न ही देनी है।'

S10. (a) विकल्प 1 में 'साधारणतम' के स्थान पर **'साधारण'** शब्द का प्रयोग होगा। शुद्ध वाक्य होगा- यह तय है कि साधारण नागरिक अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जितना जागरुक होगा, समाज में परिवर्तन उतनी ही तेजी से आएगा।'

S11. (c) यहाँ वाक्य में विदेशों' के स्थान पर **'विदेश'** शब्द आयेगा। शुद्ध वाक्य होगा'यह विडंबना ही है कि आज भी उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद मेधावी छात्र - विदेश जाकर रोजी-रोटी कमाना चाहते हैं।

S12.(e) यह वाक्य त्रुटि रहित है। शुद्ध वाक्य है- 'वक्त की सलाखें इतनी नाजुक नहीं होती कि घड़ी की मामूली सी सूईयाँ उन्हें तोड़ सकें।

S13. (c) विकल्प 3 में **'कोई कभी'** पदक्रम के स्थान पर 'कभी कोई' पदक्रम होगा। शुद्ध वाक्य होगा- समाज में एक वैज्ञानिक समझ विकसित करने के लिए सरकार ने कभी कोई ठोस कार्य योजना विकसित नहीं की।'

S14. (d) वाक्य में 'दुबके घिरे रहते' के स्थान पर 'दुबके बैठे रहते' हैं शब्द का प्रयोग होगा। शुद्ध वाक्य होगाकुछ पक्षी ऐसे होते हैं कि यदि उन्हें परेशान न किया जाए तो वे घंटों चुपचाप पेड़ में दुबके बैठे रहते हैं।

S15. (a) विकल्प 1 में 'भंडारी' शब्द के स्थान पर **'भंडार'** शब्द का प्रयोग होगा। शुद्ध वाक्य होगा- 'एक तरफ देश के भंडार खाद्यान्नों से भरे हुए हैं और दूसरी तरफ लोग भूख से मर रहे हैं।'